Ranjan Kumar Singh
रंजन कुमार सिंह

Author—Journalist—Film-maker

लेखक–पत्रकार–फिल्मकार

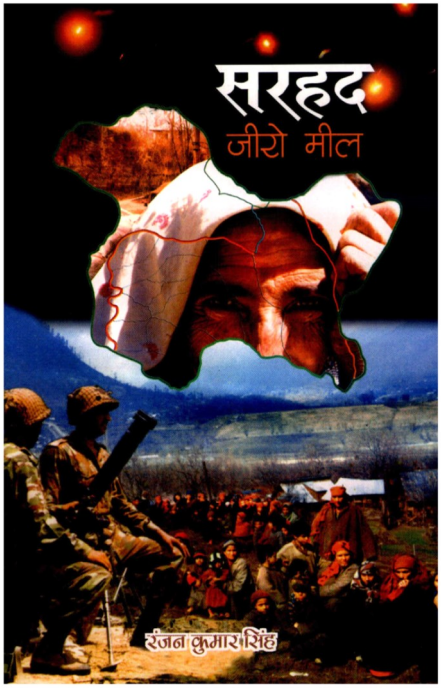

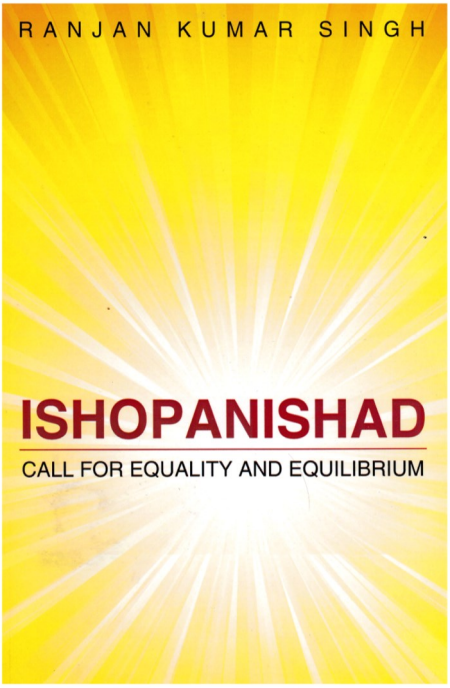

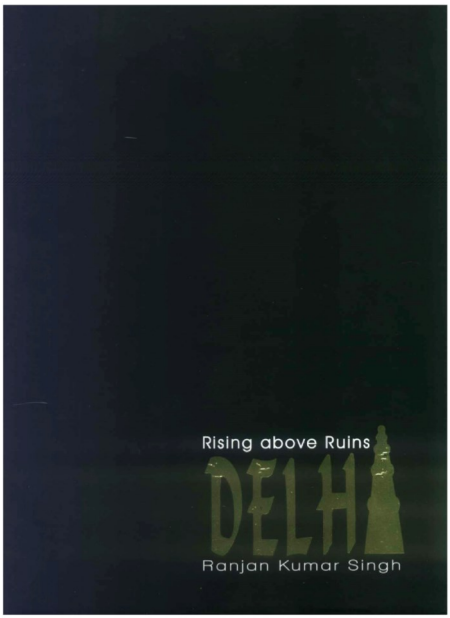

Books by Ranjan

रंजन का साहित्य

Ranjan Kumar Singh is an author-film maker with more than thirty years of experience in print and audio-visual media with specialization in the field of art and culture. He started his career with the Navbharat Times (Times of India Group) and served for eighteen years before switching over to the audio-visual media. He has written, produced and directed more than a dozen feature films, documentaries and docu-features for various TV channels and government / non-government agencies.

Ranjan represented India in the Third World Archaeological Congress to present a paper on "Theft and Smuggling of Antiquities" and has also directed a film on the subject. After studying India: Art and Culture at the National Museum Institute, New Delhi, he went to the University of Oslo to study 'Art in Norway'. He has travelled far and wide to give lectures on various aspects of Indian Culture and Archaeology. One of his most remarkable journeys was along the Line of Control that he undertook in 1999 to capture the essence of life in the disturbed land. This journey culminated into an eight episodes serial ‘Ek Duniya Sarhad Ki’ for Doordarshan and also a book ‘Sarhad: Zero Mile’ (awarded).

He went to the USA on an invitation by the International Hindi Association, Washington D.C. in 1985. There he was instrumental in establishing many new chapters of the Association and thereafter organized a series of Kavi Sammellans or Poet Symposiums in various cities of USA and Canada. He is the founder editor of Vishwa, a Hindi magazine published from the USA.

He is on the Advisory Committee of the Indian Council for Cultural Relation’s Regional Office in Patna (Bihar) and the President of Takshila Educational Society that runs Delhi Public Schools in Patna, Pune and Ludhiana. Earlier, he was on the Media Advisory Committee of the Ministry of Women and Child Development, GOI; Internship Committee of

the Lok Sabha, and the Governing Council of the Mailthili-Bhojpuri Academy, Delhi. He was a member of the Organizing Committee for the 8th World Hindi Conference held at New York in 2007 and also participated in the Conference as an official delegate.

Besides, he has taught journalism in esteemed institutions like the Ranchi University and Kendriya Hindi Sansthan and has developed courseware for various departments of IGNOU. He also served as the National Media Consultant for the World Health Organization.

He was closely associated with the language testing of Hindi DOS (a vernacular version of PC DOS). As Media Consultant he helped the Mission Convergence, GNCTD and Sugarcane Department, UP in their projects that got them the coveted CAPAM Gold Medals in the years 2010 and 2012 respectively.

He has been dedicatedly working to arouse consciousness towards the cultural heritage in general and the monuments in particular. An exhibition of his photographs on the Monuments of Delhi was organized by the Indira Gandhi National Centre for the Arts in 2008. Another solo photo exhibition of his works tracing the history of Delhi from Prithvi Raj to the Moguls was organized in 2011 by the Shahjahanabad Redevelopment Corporation, Government of NCR of Delhi.

He has eight published books – three in Hindi and others in English – to his credit and has contributed to several anthologies and periodicals. He has developed content for various corporate houses including SAIL, MMTC, NSDC, NIPER; and some of the states governments. He has worked closely with some of the eminent archaeologists of India to bring out a few important publications on various facets of Indian Art and Archaeology. He is also a Life Member of the professional body Indian Archaeology Society.

Currently he heads the Customer Relations – Government Grants Management at the National Skill Development Corporation, the executive arm of Ministry of Skill and Entrepreneurship, GOI for its flagship scheme Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojna (PMKVY). The position involves planning and executing communications strategies to inform and update various stakeholders in the skilling eco-system.

लेखक–पत्रकार–फिल्मकार रंजन कुमार सिंह ने लेखन की पारिवारिक परम्परा को निभाते हुए अब तक हिन्दी तथा अंग्रेजी में आठ पुस्तकों की रचना की हैं। इसके अलावा वह टीवी के लिए अनकों फिल्में भी बना चुके हैं। बड़े परदे के लिए बनी फिल्म आमिर से भी वह सलाहकार के तौर पर जुड़े रहे थे। लेखन के साथ–साथ वह संपादन, अनुवाद तथा साहित्यिक आयोजनों के माध्यम से भी हिन्दी की सेवा करते रहे हैं।

रंजन ने राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक नवभारत टाइम्स से कैरियर की शुरुआत कर ऑडियो–वीडियो की दुनिया मे कदम रखा। इससे पहले 1985 में वह अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी समिति, अमेरिका के आमंत्रण पर अमेरिका गए थे, जहां रहते हुए उन्होंने इस संस्था के विस्तार में तो सहयोग किया ही, अमेरिका और कनाडा में हिन्दी कवि सम्मेलनों की परम्परा की शुरुआत भी की। उनके संयोजकत्व में पहली बार इन देशों के 22 शहरों में वृहद हिन्दी कवि सम्मेलन श्रृंखला का आयोजन किया गया, जिसमें हिन्दी के सुपरिचित कवि डा0 बृजेन्द्र अवस्थी तथा श्री सोंम ठाकुर शामिल हुए। कुछ शहरों में रंजन खुद भी कवि के तौर पर शामिल रहे। अमेरिका में हिन्दी छापाखाना के अभाव में उन्होंने अपने हाथ से लिखकर विश्वा नामक हिन्दी पत्रिका की शुरुआत की, जो आज भी प्रकाशित हो रही है।

वह न्यू यार्क में आयोजित विश्व हिन्दी सम्मेलन की मीडिया समिति के सदस्य रहे और इसके सरकारी प्रतिनिधिमंडल में भी शामिल हुए। नवभारत टाइम्स से लेकर साहित्य अमृत तक में उनके यात्रा संस्मरण छपते रहे हैं और पाठकों द्वारा सराहे भी जाते रहे हैं। वह दिल्ली सरकार की भोजपुरी–मैथिली अकादमी के संचालन मंडल के सदस्य भी रह चुके हैं। फिलहाल वह भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की बिहार इकाई की क्षेत्रीय सलाहकार समिति के सदस्य का साथ ही तक्षशिला एटुकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष पद पर भी बने हुए हैं, जो पटना, लुधियाना, पुणे तथा कोयम्बटूर में दिल्ली पब्लिक स्कूल का संचालन करती है।

उनकी पुस्तक सरहद जीरो मील पाठकों को न सिर्फ करगिल युद्ध के दौरान का आंखों देखा हाल बताती है, बल्कि सरहद की उस जिन्दगी से भी उन्हें रू–ब–रू कराती है, जिसके बारे में वह सिर्फ अखबारों में ही पढ़ता रहा था। साहित्य और घुमक्कड़ी, दोनों ही उन्हें विरासत में मिले। निरंतर 18 वर्षों तक नवभारत टाइम्स को अपनी सेवाएं देने के बाद उन्होंने समाचार–पत्र को अलविदा कहा और टी0वी0–पत्रकारिता से जुड़ गए। अपने पहले ही वृत चित्र के लिए वह अपने साथियों के साथ भारत–पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा के दौरे पर निकल पड़े। यह सीमा रेखा जम्मू क्षेत्र के संगम से लेकर लद्दाख क्षेत्र के परतापुर तक 840 किलोमीटर लंबी है। परतापुर सियाचिन का बेस कैम्प है। फिर यह लद्दाख में ही चीन की सीमा से भी मिलती है। वहां इसे नियंत्रण रेखा की बजाय वास्तविक नियंत्रण रेखा कहा जाता है। रंजन और उनके दल ने इस पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया। किसी भी लेखक या पत्रकार के लिए यह एक बेमिसाल मौका था।

रंजन कुमार सिंह 1999 में गए तो थे वहां नियंत्रण रेखा के आसपास की जिन्दगी को निरखकर उसपर वृत चित्र बनाने, पर उसी दरम्यान वहां करगिल युद्ध छिड़ गया और रोज–ब–रोज की

छिटपुट गोलाबारी, भारी बमबारी में बदल गई। रंजन ने इन सब को न सिर्फ अपनी खुली आं खों से देखा, बल्कि उसे फिल्माते भी रहे। वहां से लौटकर उन्होंने जो पुस्तक तैयार की, हिन्दी साहित्य ही नहीं, वरन किसी भी भारतीय भाषा साहित्य में उसका कोई सानी नहीं है। भारत तथा पाकिस्तान के बीच वर्षों से विवादास्पद बनी इस नियंत्रण रेखा के बारे में यह मूल हिन्दी का एकमात्र प्रथमद्रष्ट्या एवं प्रामाणिक दस्तावेज है। सरहद जीरो मील नामक इस पुस्तक को र क्षा मंत्रालय द्वारा पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है।

इससे भी पहले अमेरिका से लौटने के बाद उन्होंने अजनबी शहर, अजनबी रास्ते शीर्षक से जो यात्रा–संस्मरण हिन्दी साहित्य को दिया, वह अपनी सादगी और कथा–वाचन शैली के लिए विशेष सराहा गया। प्रतिष्ठित कवि श्री अजित कुमार ने उसकी भूमिका में लिखा है, रंजन की निगाह व्यक्तियों, स्थानों, संस्थानों और स्थितियों पर टिकी और वे इनमें शामिल हुए, इनको जानने में लगे। इस क्रम में जो यात्रा–वृत बना, वह रंजन के अनुभवों के बारे में तो बताता है ही, हमारी जानकारी भी बढ़ाता है। इनके अलावा बंद खिड़की से टकराती चीख नाम से उनका एक हिन्दी कहानी संग्रह भी आ चुका है, जिसमें हिन्दी अकादमी, दिल्ली द्वारा युवा कथाकार पुरस्कार से सम्मानित कहानी छठी मइया शामिल है। यह कहानी उन्होंने अपने कालेज के दिनों में लिखी थी।

लेखन के साथ–साथ आयोजन का महत्वपूर्ण दायित्व भी वह संभालते रहे हैं। अन्तराष्ट्रीय हिन्दी समिति, अमेरिका तथा अमेरिका में आयोजित आठवें विश्व हिन्दी सम्मेलन की मीडिया समिति में शामिल रहकर वह वैश्विक हिन्दी के प्रचार–प्रसार का काम तो कर ही चुके हैं, देश में रहते हुए भी उन्होंने हिन्दी भाषा एवं साहित्य की श्रीवृद्धि में अपना भरपूर योगदान किया है। बिहार के ग्रामीण अंचल में अपने पिता स्व0 शंकर दयाल सिंह द्वारा शुरु की गई हिन्दी कवि सम्मेलन की परम्परा को आगे बढ़ाने के साथ ही ग्रामीण अंचल में ही उन्होंने हिन्दी कथा शिविर की नींव र खी, जिसकी अब तक तीन कड़ियां सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी हैं और जिसमें पद्मश्री डा0 उषा किरण खान, पद्मश्री मंजूर एहतेशाम, ममता कालिया, चित्रा मुद्गल, प्रियम्वद, डा0 विद्याबिन्दु सिंह, वंदना राग, गीतांजलिश्री, अवधेश प्रीत, श्रद्धा थवाईत जैसे प्रतिष्ठित तथा नवोदित कथाकार शामिल रहे हैं। इससे उपजी कहानियों के तीन संग्रह नरेन्द्रपुर – भारत की गवंई गंध नाम से प्रकाशित किए जा चुके हैं, जिनका संपादन रंजन कुमार सिंह ने ही किया है।

लेखन तथा संपादन के अलावा रंजन अनुवाद के क्षेत्र में भी सक्रिय रहे हैं। आल फक्शन के नाम से उन्होंने राजनीतिक–साहित्यकार डा0 रमेश पोखरियाल निशंक की पुस्तक का अनुवाद हिन्दी से अंग्रेजी में किया तो वहीं शरत चन्द्र बोस की पुत्री माधुरी बोस की चर्चित पुस्तक दि बोस ब्रदर्स एंड इंडियन इंडिपेंडेंस का अनुवाद अंग्रेजी से हिन्दी में किया है। इनके अलावा उन्होंने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तकों का भी अनुवाद किया है। उन्होंने इस विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के लिए मूल पाठ्य सामग्री भी तैयार की है, जो एम0ए0 स्तर पर पढ़ाई जा रही है। उनके द्वारा तैयार एक अन्य पाठ्य सामग्री इसी विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में पढाई जा रही है।

Education

1977 All India Secondary School Examination
Kendriya Vidyalaya, INA Colony, New Delhi

1979 All India Senior School Certificate Examination
Kendriya Vidyalaya, Danapur Cant., Bihar

1982 Bachelor of Arts, Hindi (Hons.)
Kirori Mal College, University of Delhi, Delhi

1984 Masters of Art, Hindi
University of Delhi, Delhi

Courses

1991 Certificate in India Art and Culture
National Museum Institute, New Delhi

1993 Art in Norway: From Vikings to Present
International Summer School, University of Oslo

2020 Business Communication
Rochester Institute of Technology, Online

2020 Photography Masterclass: A Complete Guide
Udemy, Online

Workshops

2005 Advance Photography
Sri Aurobindo Institute of Communication, New Delhi

2012 Indian Philosophy Tradition & Western Philosophy
CIF Shodh Sansthan, Veliyanad, Kerala

Proficiencies

MS– Office, Photography, Videography, Video Editing

Conferences / Seminars / Symposiums

1993 Key Speaker : Ancient Indian Sculptures
International Summer School, Oslo

1994 Key Speaker : Theft and Smuggling of Antiquities
Third World Archeological Congress, New Delhi

1998 Participated in Kavi Sammellan (Hindi Poet's Symposium)
London, Manchester and Birmingham (United Kingdom)

2007 Member of the Media Committee and Official Delegate
Eighth World Hindi Conference, New York

2008 Resource Specialist : हिन्दीतर भाषी हिन्दी नवलेखक शिविर
Central Hindi Directorate, GOI, New Delhi

2012 Key Speaker : The Politics of Religion
Indian Museum, Kolkata

2013 Key Speaker : To Each His God: A Vedantic Approach
International Conference on Religious Studies, Sri Lanka

2014 Key Speaker : Self Identity and the Spirit of Karma Yoga
International Conference on Identity Studies, Vienna

2014 Key Speaker : Sun Temples & Growth of Agrarian Society
International Seminar on Archaeology, Pune

2015 Key Speaker : मुल्तान—भारतीय उपमहाद्वीप का प्रथम सूर्य मंदिर
Directorate of Archives, Bihar

2015 Key Speaker : Dashavatar: Theory of Evolution of Mankind
Sigmund Freud University, Vienna

2017 Key Speaker : Train the Trainers
Second Global Skill Development Meet, Paris

2018 Academic Delegate
Eleventh World Hindi Conference, Mauritius

2018 Panelist: Reflection of Disability through Media
National Conference on Disability, Sarthak Edu. Trust

2019 Panelist : Service Sector Readiness in Industry 4.0
National Summit on Bridging Skill Gaps, PHDCCI, Delhi

2020 Panelist : The Historical Outlook of Sanskrit Scholars
Sahitya Akademi, New Delhi

Publications

1990 अजनबी शहर, अजनबी रास्ते (यात्रा संस्मरण)
पराग प्रकाशन, दिल्ली

1993 बंद खिड़की से टकराती चीख (कहानी संग्रह)
अनिल प्रकाशन, दिल्ली

2006 सरहद जीरो मील (नियंत्रण रेखा का प्रामाणिक दस्तावेज)
पारिजात प्रकाशन, पटना

2006 Delhi: Rising above Ruins (Coffee Table Book)
Parijat Prakash, Patna

2010 Surya: The God and His Abode (Coffee Table Book)
Parijat, Patna

2013 To Do - What...Why...How… : Karmayoga Simplified
Parijat, Patna

2015 Ishopanishad: Call for Equality and Equilibrium
Partridge India

2016 The Islamic Monuments of Delhi
Partridge India

2020 The World of Vigeland
Parijat, Patna

Content Development for Corporates

2006 Touching Lives, Adding Value (Coffee Table Book)
MMTC Limited, New Delhi

2012 Steel Cities Coffee Table Book)
Steel Authority of India Limited, New Delhi

Content Development for Educational Institutions

2006 DTP and Editing (Post Graduate Diploma Course)
Department of English, IGNOU

2012 यू0आर0 अनन्तमूर्ति कृत संस्कार (Post Graduate Course)
Department of Hindi, IGNOU

Translation

2011 All But Fiction, Author: Dr. Ramesh Pokhariyal 'Nishank'
Hindi to English for Shilpayan Books, Delhi

2012 समकालीन भारतीय समाज में शिक्षा (Department of Education, IGNOU)
English to Hindi for Diploma in Elementary Education Course

2017 बोस बंधु और भारतीय स्वतंत्रता, Author: Madhuri Bose
English to Hindi for SAGE Bhasha, New Delhi

2020 एमटीवी निषेध - सूत्रधारों की गाईड
English to Hindi, MTV Nishedh

Paper Publication

2015 To Each His God: an Upanishadic Approach to Religion
Journal of Indian Council of Philosophical Research
DOI 10.1007/s40961-015-0017-7

2015 Early Indian Culture and Checking of Religious Intolerance
Bharat—Samskriti (Editor: Samresh Bandhyopadhyay
North American Institute for oriental and Classical Studies, Tennessee, USA

2015 Sun Temple — a View
History Today (Journal of History and Historical Archeology)
The History and Culture Society, New Delhi

Edit

1984 मुक्तकंठ विशेषांक (पटना से प्रकाशित)

1985 विश्वा (अमेरिका से प्रकाशित)

2017 नरेन्द्रपुर –1 भारत की गँवई गंध (कथा संग्रह,, तक्षशिला पब्लिकेशन)

2018 नरेन्द्रपुर – 2 भारत की गँवई गंध (कथा संग्रह,, तक्षशिला पब्लिकेशन)

2019 नरेन्द्रपुर – 3 भारत की गँवई गंध (कथा संग्रह,, तक्षशिला पब्लिकेशन)

Anthologies

1983 अंधेरों के खिलाफ (Collection of Hindi Poetry; Ed Dr. Vinay Vishwas)
1985 उगती किरणों (Collection of Short Stories; Ed: Dr. Narayan Dutt Paliwal
2002 The Richness of Night (Collection of English Poetry, Ed: Noah Bevins

TV Films & Documentaries

As Script Writer and Director

Asurakshit Virasat

An episode on the theft and smuggling of antiquities under the program entitled `Lens Eye' for BAG Films.

Naushera Ka Sher

A 50 minutes tele-film on the life and sacrifice of Brig. Mohammed Usman, MVC, who died in 1948, fighting against Pakistan.

Changing Face of Indian Country Side

A 30 minutes documentary commissioned by the Ministry of External Affairs. The documentary projects the achievements and advancements made by the nation in the rural sector.

Ek Duniya Sarhad Ki

An eight-episode serial commissioned by the Door Darshan on behalf of the Ministry of Home Affairs, Government of India. The serial covers the entire Line of Control for the first time and projects the general life and heroic deeds of people along the LoC.

Taarikh Gawah Hai

A six-episode serial commissioned by the Door Darshan on the 50th anniversary of India's Independence. Each episode presents a famous historical trial of pre-Independence. The serial covers the trials of Bahadur Shah Zafar (1858), Lokmanya Tilak (1908), Ali brothers and

Shankaracharya (1921), Mahatma Gandhi (1922), Bhagat Singh (1942) and I.N.A. (1946).

A Ray of Hope

A social documentary for Mission Convergence, Govt. of Delhi

Reaching out to the Unreached

A film for the Government of NCT of Delhi on its social initiatives related to women empowerment.

Kamdhenu Ispat

A corporate film for Kamdhenu Limited

Looking into the Future

A corporate film for National Institute of Pharmaceutical Education & Research, Chandigarh

Kargil: Badalta Chehra

A three episode series commissioned by the Doordarshan showcasing various aspects of Kargil region, while covering the land and people together with its history ,and culture.

<u>As Director</u>

Pakistan Khabardar, Hum Kashmiri Hain Taiyar

A 30 minutes docu-drama on the civil resistance in Kashmir in 1947, before the arrival of the Indian troops in the Valley. Besides giving the creative input for the said docu-drama, MediaMen provided the infrastructural support as well.

Sarhad Ke Muhafiz

A four episodes drama featuring a story about a training

camp across the border, showing the plight of the recruits and their fight back to freedom.

Partition : Through The Eyes Of Indian Authors

A series for IGNOU, covering Indian Authors who witnessed the events leading to the Partition and whose works reflect the miseries of people in those times. The series featured dome of the eminent authors in Hindi, Sh. Bhisham Sahni, Gulzar and Kamaleshwar.

Aamne-Saamne

A talk show featuring regional celebrities of Bihar

Wily Warriors

A four-episode documentary on the Naga Regiment, which shot into fame because of their heroic performance during the Kargil War. It does not only cover their valour, but also the history of their raising into the first and the only Infantry Regiment in the post-independent India.

<u>As Script Writer</u>

Reforming Elementary Education

A documentary on the social initiative of Sir Ratan Tata Trust in education

Extending a Helping Hand

A documentary on the Individual Grants Program of Sir Ratan Tata Trust

Helping People Help Themselves

A documentary on the social initiative of PHDCCI in water harvesting and recharging of ground water

Photo Exhibitions

2008 Delhi—Rising above Ruins
A fifteen day solo photo exhibition on the monuments of Delhi organized by Indira Gandhi National Center for Arts, New Delhi

2011 Delhi—From Ruins to Reigns
A three day solo photo exhibition tracing the history of Delhi organized by Shahjahanabad Re-development Corporation, Delhi

Award and Acclamation

1985 युवा कथा लेखन प्रतियोगिता, हिन्दी अकादमी, दिल्ली

1986 प्रभात खबर ग्रामीण पत्रकारिता पुरस्कार, राँची

2002 Editor's Choice Award, International Library of Poetry, USA

2007 राजभाषा पुरस्कार, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

2017 श्री कृष्ण प्रताप सिंह स्मृति श्रीवत्स मनीषी सम्मान

Affiliations

Head, Customer Relations - Government Grants Management
National Skill Development Corporation, New Delhi

Former Senior Sub-editor and Reporter
Navbharat Times, Delhi

Former National Media Consultant
World Health Organization, New Delhi

Member, Regional Advisory Committee
Indian Council of Cultural Relations Patna Chapter

Former Member, Governing Council
Mailthili-Bhojpuri Academy, Delhi

Former Member, Media Advisory Committee
Ministry of Women and Child Development, GOI

Former Member
Internship Committee of the Lok Sabha

Contact

ranjan@parijat.co.in
+91 9212370711

1404 Trishul, Kaushambi
Ghaziabad—201010 INDIA

27 दिसंबर 2011

Shri Narendra Modi
DR. Mahadev Jha

SURYA